Fertilisers and Chemicals Travancore Ltd., Alwaye

1903. **Shri A. Sreedharan:**
Shri P. Viswambharan:
Shri Mangalathummadom:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) the loss incurred by the Fertilisers and Chemicals Travancore Limited during the years 1964-65, 1965-66 and 1966-67;

(b) the reasons therefor; and

(c) the amounts spent by the FACT during the above period towards publicity and propaganda?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals and of Planning and Social Welfare (Shri Raghu Ramaiah): (a) The amount of losses incurred by FACT are given below:—

1964-65 Net loss Rs. 48,83,000/-

1965-66 Net loss Rs. 69,85,773/-

1966-67 Accounts not yet finalised.

(b) 1964-65

(i) Shortage of power supply.

(ii) Unforseen explosion in ammonia plant.

1965-66

(i) Shortage of power supply.

(ii) Voltage drops and power failures; and

(iii) Labour unrest from 2-5-1965 leading to a total strike from 25-8-1965 to 6-9-1965.

(c) 1964-65 : Rs. 4·71 lakhs
1965-66 : Rs. 5·37 lakhs
1966-67 : Rs. 5·00 lakhs approx.

(Accounts under compilation).

मैसर्स बर्ड, एण्ड कम्पनी

1904. **श्री राम सिंह अयरवाल :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वित्त मंत्री 6 अप्रैल, 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 306 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मैसर्स बर्ड एण्ड कम्पनी, कलकत्ता से बरामद हुए कागजात के आधार पर अन्तर्गस्त तीन एजेंसियों के बारे में की जा रही जांच पूरी हो चुकी है;

(ख) यदि हां, तो जांच का क्या परिणाम निकला है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसमें और कितना समय लगने की सम्भावना है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) प्रवर्तन निदेशालय, आयकर अधिकारियों तथा कम्पनी-कार्य विभाग इन तीन विभागों द्वारा मैसर्स बर्ड एण्ड कम्पनी से पकड़े गये कागजों की छानबीन अभी तक पूरी नहीं हो पाई है ।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) जिन कागजों की छानबीन की जानी है उनकी संख्या बहुत ज्यादा है तथा उनमें तथ्य के कई मामले ग्रस्त हैं और, इसके अलावा, ये कागज सम्बन्धित तीनों विभागों को छानबीन के लिये एक-साथ उपलब्ध नहीं किये जा सकते, इसलिए जांच-पड़ताल में अभी और समय लगने की संभावना है

Aid from U.S.A.

1905. **Shri D. N. Patodia:** Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the amount of aid received from U.S.A. annually from 1955 onwards in various forms including untied loans under PL 480 etc.;

(b) how much amount has been spent by the U.S. Government in